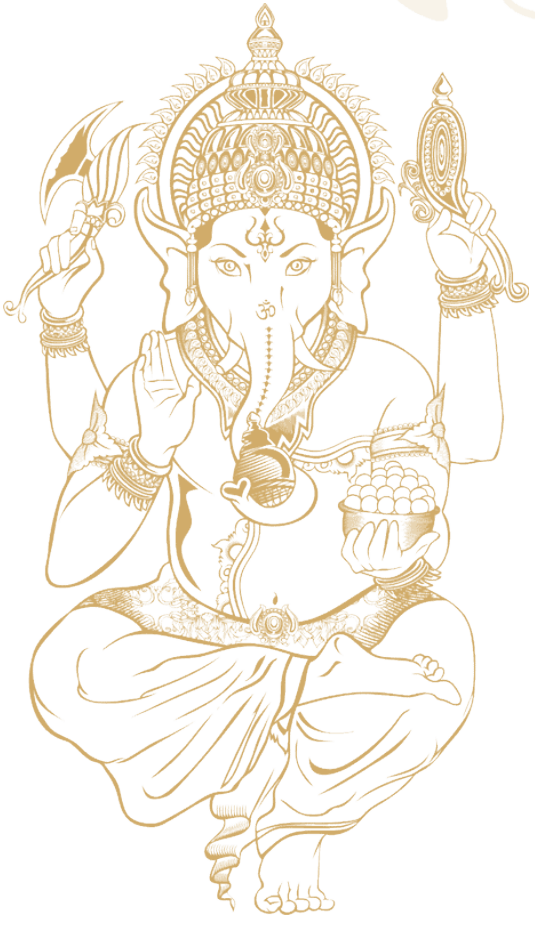

# janhvi srivastava

27 Oct 1997

07:38 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626610

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **27/10/1997** |
| दिन | सोमवार |
| **जन्म समय** | **07:38:00 घंटे** |
| इष्ट | 03:57:36 घटी |
| **स्थान** | **Gorakhpur** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:45:00 उत्तर |
| रेखांश | 83:23:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:03:32 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 07:41:32 घंटे |
| वेलान्तर | 00:16:08 घंटे |
| साम्पातिक काल | 10:03:27 घंटे |
| सूर्योदय | 06:02:57 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:17:35 घंटे |
| दिनमान | 11:14:38 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 09:52:01 तुला |
| लग्न के अंश | 29:38:12 तुला |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **सिंह - सूर्य** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०फाल्गुनी - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | ब्रह्म |
| करण | कौलव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | मूषक |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | श्वान |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | टी-टीना |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 29:38:12 | 310:03:15 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | चंद्र | --- |
| सूर्य | | | तुला | 09:52:01 | 00:59:53 | स्वाति | 1 | 15 | शुक्र | राहु | गुरु | नीच राशि |
| चंद्र | | | सिंह | 22:27:01 | 11:46:02 | पू०फाल्गुनी | 3 | 11 | सूर्य | शुक्र | शनि | मित्र राशि |
| मंगल | | | वृश्चि | 26:23:31 | 00:44:12 | ज्येष्ठा | 3 | 18 | मंगल | बुध | गुरु | स्वराशि |
| बुध | | अ | तुला | 18:22:22 | 01:34:25 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | चंद्र | मित्र राशि |
| गुरु | | | मक | 18:51:11 | 00:03:41 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | नीच राशि |
| शुक्र | | | वृश्चि | 26:35:12 | 01:03:20 | ज्येष्ठा | 3 | 18 | मंगल | बुध | गुरु | सम राशि |
| शनि | व | | मीन | 21:46:54 | 00:04:22 | रेवती | 2 | 27 | गुरु | बुध | सूर्य | सम राशि |
| राहु | | | सिंह | 25:13:22 | 00:00:21 | पू०फाल्गुनी | 4 | 11 | सूर्य | शुक्र | बुध | शत्रु राशि |
| केतु | | | कुंभ | 25:13:22 | 00:00:21 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | बुध | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | मक | 10:58:46 | 00:00:39 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| नेप | | | मक | 03:26:43 | 00:00:36 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 10:26:48 | 00:02:06 | अनुराधा | 3 | 17 | मंगल | शनि | सूर्य | --- |
| दशम भाव | | | सिंह | 04:53:34 | -- | मघा | -- | 10 | सूर्य | केतु | मंगल | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:31

## लग्न-चलित

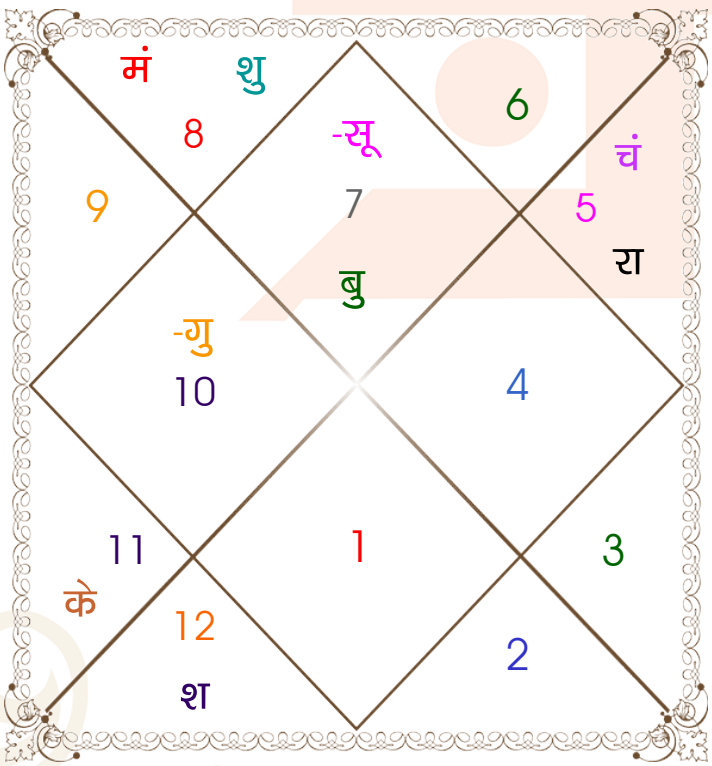


## चन्द्र कुंडली

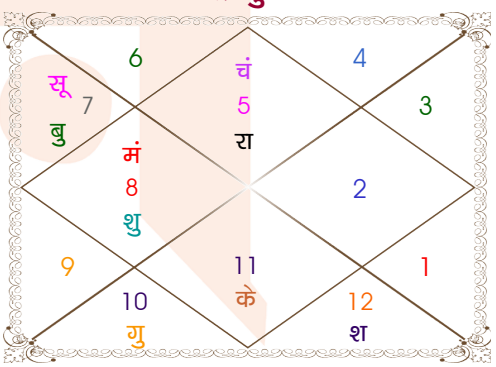


## नवमांश कुंडली

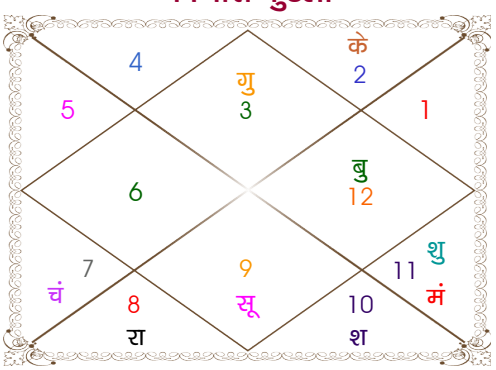

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 3 मास 27 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27/10/1997 | | 23/02/2004 | | 22/02/2010 | | 23/02/2020 | | 23/02/2027 | |
| 23/02/2004 | | 22/02/2010 | | 23/02/2020 | | 23/02/2027 | | 22/02/2045 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 11/06/2004 | चंद्र | 24/12/2010 | मंगल | 21/07/2020 | राहु | 05/11/2029 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 11/12/2004 | मंगल | 25/07/2011 | राहु | 09/08/2021 | गुरु | 30/03/2032 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 18/04/2005 | राहु | 23/01/2013 | गुरु | 15/07/2022 | शनि | 04/02/2035 |
| | 00/00/0000 | राहु | 13/03/2006 | गुरु | 25/05/2014 | शनि | 24/08/2023 | बुध | 24/08/2037 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 30/12/2006 | शनि | 24/12/2015 | बुध | 21/08/2024 | केतु | 11/09/2038 |
| | 27/10/1997 | शनि | 12/12/2007 | बुध | 24/05/2017 | केतु | 17/01/2025 | शुक्र | 11/09/2041 |
| शनि | 23/02/2000 | बुध | 17/10/2008 | केतु | 24/12/2017 | शुक्र | 19/03/2026 | सूर्य | 06/08/2042 |
| बुध | 24/12/2002 | केतु | 22/02/2009 | शुक्र | 24/08/2019 | सूर्य | 25/07/2026 | चंद्र | 05/02/2044 |
| केतु | 23/02/2004 | शुक्र | 22/02/2010 | सूर्य | 23/02/2020 | चंद्र | 23/02/2027 | मंगल | 22/02/2045 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/02/2045 | | 22/02/2061 | | 23/02/2080 | | 22/02/2097 | | 24/02/2104 | |
| 22/02/2061 | | 23/02/2080 | | 22/02/2097 | | 24/02/2104 | | 00/00/0000 | |
| गुरु | 12/04/2047 | शनि | 26/02/2064 | बुध | 22/07/2082 | केतु | 21/07/2097 | शुक्र | 25/06/2107 |
| शनि | 24/10/2049 | बुध | 05/11/2066 | केतु | 19/07/2083 | शुक्र | 20/09/2098 | सूर्य | 25/06/2108 |
| बुध | 30/01/2052 | केतु | 15/12/2067 | शुक्र | 19/05/2086 | सूर्य | 26/01/2099 | चंद्र | 23/02/2110 |
| केतु | 04/01/2053 | शुक्र | 14/02/2071 | सूर्य | 25/03/2087 | चंद्र | 27/08/2099 | मंगल | 26/04/2111 |
| शुक्र | 05/09/2055 | सूर्य | 27/01/2072 | चंद्र | 24/08/2088 | मंगल | 23/01/2100 | राहु | 25/04/2114 |
| सूर्य | 24/06/2056 | चंद्र | 27/08/2073 | मंगल | 21/08/2089 | राहु | 11/02/2101 | गुरु | 24/12/2116 |
| चंद्र | 24/10/2057 | मंगल | 06/10/2074 | राहु | 09/03/2092 | गुरु | 18/01/2102 | शनि | 28/10/2117 |
| मंगल | 30/09/2058 | राहु | 12/08/2077 | गुरु | 15/06/2094 | शनि | 27/02/2103 | | 00/00/0000 |
| राहु | 22/02/2061 | गुरु | 23/02/2080 | शनि | 22/02/2097 | बुध | 24/02/2104 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली है। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगी।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखती हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझती हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानती है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाती हैं। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाती बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करती हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेती हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेती हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगी।

आप अपना परिवार जीवन सुखपूर्ण व्यतीत करेंगी। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगी। आप निःसंदेह पूर्वक अपने समझदार पति एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगी। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकती है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगी। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती है। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगी का चुनाव कर सकती हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगी।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकती हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।